

## न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

रेस्टोरेशन प्रकरण क्रमांक

/2013 जिला-छतरपुर 2504-II/13

तिजवा पुत्र श्री मनप्यारे अहिरवार, निवासी- ग्राम  
भभुवा, तहसील राजनगर, जिला छतरपुर (म.प्र.)

..... प्रार्थी

विरुद्ध

- 1- तुलसीदास पुत्र श्री रामचरन पटेल,
- 2- बैजनाथ पुत्र श्री रामचरन पटेल,
- 3- आशाराम पुत्र श्री बैजनाथ पटेल,
- 4- महेश पुत्र श्री बैजनाथ पटेल,
- 5- राजाराम पुत्र चित्ते पटेल,  
निवासीगण- भभुवा, तहसील राजनगर,  
जिला-छतरपुर (म.प्र.)
- 6- दिलीप कुमार पुत्र श्रीभागचन्द्र पटेल,
- 7- शिवराम पुत्र श्री भागचन्द्र पटेल,
- 8- कुलदीप पुत्र श्री भागचन्द्र पटेल
- 9- रूकमनदेवी पुत्री श्री भागचन्द्र पटेल
- 10- राजकुमार वैवा श्री रमेश,
- 11- राजेश नाबालिग राजकुमारी वैवा रमेश
- 12- हरेन्द्र नाबालिग राजकुमारी वैवा रमेश
- 13- विपिन नाबालिग राजकुमारी वैवा रमेश
- 14- प्रियंका नाबालिग राजकुमारी वैवा रमेश  
निवासीगण- ग्राम तालगांव, तहसील राजनगर,  
जिला-छतरपुर (म.प्र.)
- 15- मध्यप्रदेश शासन

..... प्रतिप्रार्थीगण

माननीय न्यायालय द्वारा प्रकरण क्रमांक 505-II/2012 पुनरीक्षण में पारित  
आदेश दिनांक 04.06.2013 के विरुद्ध मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की  
धारा 9 के नियम 32 के अधीन रेस्टोरेशन आवेदन-पत्र।

माननीय महोदय,

प्रार्थी की ओर से यह आवेदन सविनय निम्न प्रकार प्रस्तुत है :-

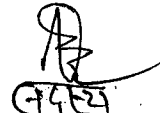
मामले के संक्षिप्त तथ्य :

- (1) यहकि, प्रार्थी द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष अधीनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजनगर के आदेश के विरुद्ध पुनरीक्षण प्रस्तुत किया गया था. जोकि विचाराधीन था।

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक 2804/11/13 ..... जिला खण्ड .....

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
21-10-15	<p>प्रमाण में अग्रपक्ष अधिवक्ताओं के तर्कों पर प्रमाण पुनर्जांच करने हेतु हुन गये।</p> <p>प्रमाण में अधिवक्ता अधि द्वारा प्रमाण को पुनर्जांच करने का निर्देश किया गया।</p> <p>मूल प्रमाण क्रमांक 505/11/12 निजामी में पारस डोरेम दिनांक 4-6-13 से प्रमाण में अग्रपक्ष के बाद भी अग्रपक्ष 6-14 तक के रिकॉर्ड्स एक ही अग्रपक्ष में देने के आदेश दिए गये हैं किन्तु अधिवक्ता अधि द्वारा आदेश का पालन न करने के कारण प्रमाण कम होने में खोराज किया गया था।</p> <p>अधिवक्ता अधिवक्ता के तर्कों पर विचार किया गया विधायी पत्रांत मूल प्रमाण क्रमांक 505/11/12 पुनर्जांच किया जा रहा है प्रमाण अंक में कम होकर जा रही है। यह पुनर्जांच प्रमाण क्रमांक उक्त निर्देशों के साथ समाप्त किया जाता है।</p> <p style="text-align: right;">               नदय           </p>	